टिक्स और मच्छर

जलवायु में बदलाव साल के गर्म मौसम को और गर्म और लंबा बना रहा है। वसंत के जल्दी आने और देर से आने वाली पतझड़ के तापमान बढ़ रहे हैं और बहुत अधिक ठंड वाली रातों की संख्या कम हो रही है। मौसम में ये बदलाव उन दिनों की संख्या में वृद्धि करते हैं जब टिक्स सक्रिय होती हैं और लाइम रोग और बेबेसियोसिस जैसी टिक्स द्वारा पैदा होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

जलवायु में बदलाव भी गर्मी के गर्म दिनों और भारी बारिश वाले दिनों की संख्या में वृद्धि कर रहा है। अधिक बारिश और लंबे समय तक गर्म मौसम मच्छरों के प्रजनन और काटने वाले दिनों को बढ़ाते हैं, जिससे वेस्ट नाइल वायरस (WNV) और पूर्वी इक्वाइन एन्सेफलाइटिस (EEE) जैसे मच्छर जनित बीमारियाँ होने का अधिक खतरा होता है।

कौन इसके बढ़े हुए जोखिम पर होता है?

- खुले में काम करने वाले, खेलने वाले, या व्यायाम करने वाले लोग
- पालतू जानवरों वाले लोग जो बाहर जाते हैं

हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?

टिक्स:

- बाहर जाते समय लंबी आस्तीन वाली कमीज, लंबी पैंट और जुराबे पहनें
- बाहर समय बिताने के बाद टिक्स के लिए खुद की, बच्चों और पालतू जानवरों की जांच करें
- टिक्स से पैदा होने वाली बीमारी के लक्षणों से अवगत रहें, जैसे "बुल्सआई" रैश
- टिक्स से पैदा होने वाली बीमारी को रोकने के तरीके के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें

मच्छर:

- जब भी आप बाहर हों तो कीट विकर्षक का इस्तेमाल करें
- लंबी बाजू वाले कपड़े पहनें

और अधिक जानकारी प्राप्त करें:
mass.gov/ClimateAndHealth

Bureau of Climate and Environmental Health
Environmental Toxicology Program
Massachusetts Department of Public Health

टिक्स और मच्छर

- मच्छरों की बढ़त वाले मौसम के दौरान शाम से सुबह तक के घंटों से बचने के लिए बाहरी गतिविधियों को निर्धारित करें
- खिड़की और दरवाजे की क्षतिग्रस्त जालियों की मरम्मत करें
- अपने घर के आसपास के क्षेत्रों में खड़े हुए पानी को हटाएँ
- मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारी को रोकने के तरीके के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें